राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 06 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 87, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

ग्राम प्रधान के घर पर दबंगों का हमला, महिलाओं से अभद्रता और परिजनों की बेरहमी से पिटाई...03

उत्तर भारत में बारिश के कहर से सब्जियों के दाम आसमान पर, रसोई का बिगड़ा बजट...04

आणंद में त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की नींव रखने मौके बोले अमित शाह, कांग्रेस नेहरू-गांधी परिवार को छोड़ सबको भूल जाता है

स्वतंत्र प्रभात

गुजरात के आणंद में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने ही नेता त्रिभुवनदास किशीभाई पटेल को भुला दिया, जिन्होंने अमूल की नींव रखी और देश में सहकारिता आंदोलन को एक नई दिशा दी। शाह ने साफ किया कि लोकसभा में पेश किए गए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 में इस यूनिवर्सिटी का नाम त्रिभुवनदास पटेल के सम्मान में रखा गया है, जो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने कहा, "विपक्ष को शायद यह भी नहीं पता कि त्रिभुवनदास उनकी ही पार्टी से थे। लेकिन वे नेहरू-गांधी परिवार से नहीं थे, इसलिए कांग्रेस ने उन्हें भुला दिया।"

अमूल और सहकारिता आंदोलन में त्रिभुवनदास का योगदान

अमित शाह ने बताया कि त्रिभुवनदास पटेल ने सरदार पटेल के मार्गदर्शन में अमूल की स्थापना की और वर्गीज कुरियन को डेयरी साइंस पढ़ने के लिए विदेश भेजा। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत विश्व में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश है। शाह ने कुरियन के योगदान को भी सराहा, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उस पूरी सोच की शुरुआत त्रिभुवनदास पटेल के विजन से हुई थी। शाह ने यह भी बताया कि जब त्रिभुवनदास अमूल से सेवानिवृत्त हुए, तो उन्होंने अपनी सेवामुक्ति पर मिले 6 लाख रुपये फाउंडेशन को दान में दे दिए, जो उनके समर्पण का प्रतीक है।

यूनिवर्सिटी का उद्देश्य और महत्व

अमित शाह ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देगी। इसमें प्रबंधन, वित्त, कानून और ग्रामीण विकास से जुड़े कोर्स होंगे। यह यूनिवर्सिटी 200 से ज्यादा सहकारी संस्थाओं से जुड़कर पीएचडी, डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स कराएगी। साथ ही, यह 40 लाख सहकारी कर्मियों को प्रशिक्षित कर भाई-भतीजावाद को खत्म करने में मदद करेगी।

मोदी सरकार की पहल और सहकारिता की मजबूती

शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद अब तक 60 नई पहलें शुरू की गई हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए हैं। पीएम मोदी ने 2 लाख नए पैक्स (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां) बनाने की घोषणा की है, जिससे 17 लाख लोग जुड़ेंगे। CBSE ने भी 9वीं से 12वीं तक के पाठ्यक्रम में सहकारिता को शामिल किया है, जिससे युवा पीढ़ी को इस क्षेत्र से जोड़ा जा सके।

अमूल- सहकारिता का मॉडल

शाह ने कहा कि अमूल आज 80,000 करोड़ रुपये के टर्नओवर के साथ देश का सबसे मूल्यवान ब्रांड है, जो 36 लाख ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि वर्गीज कुरियन के जन्म शताब्दी वर्ष को अमूल और गुजरात सरकार ने मनाया, लेकिन कांग्रेस ने इस ऐतिहासिक मौके को भी नजरअंदाज कर दिया। अंत में शाह ने कहा, "त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी न सिर्फ एक शैक्षिक संस्थान है, बल्कि यह सहकारिता के जननायकों को सच्ची श्रद्धांजलि है, जो ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।"

राज ठाकरे का विवादित बयान, कहा- जो ज्यादा नाटक करें उसके कान के नीचे बजाओ, लेकिन वीडियो मत बनाओ

स्वतंत्र प्रभात

महाराष्ट्र की सियासत में 5 जुलाई 2025 का दिन एक बड़े बदलाव का गवाह बना, जब दो दशकों बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक ही मंच पर साथ नजर आए। इस ऐतिहासिक मौके पर दोनों नेताओं ने एक सुर में बीजेपी पर निशाना साधा और महाराष्ट्र की अस्मिता की आवाज बुलंद की। राज ठाकरे ने अपने संबोधन में बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, "तुम्हारे पास विधानभवन में सत्ता है, लेकिन हमारे पास सड़कों की सत्ता है।" उन्होंने यह भी खुलासा किया कि राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे उनसे मिलने आए थे, लेकिन उन्होंने उनसे साफ कह दिया, "आपकी बात सुनूंगा, पर मानूंगा नहीं। " राज ने कहा कि जब पूरा महाराष्ट्र एकजुट होकर खड़ा होता है, तो सरकार को उसकी ताकत दिखती है। उन्होंने कहा कि यह एकता अब राज्य को आगे ले जाएगी।

"हिंदी हम पर न थोपें, हम मराठी हैं"

राज ठाकरे ने हिंदी भाषा के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत से लोग काम की तलाश में महाराष्ट्र आते हैं, और यहां आकर मराठी लोगों से हिंदी सीखने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कभी मराठों ने किसी पर मराठी भाषा थोपने की कोशिश की? "हिंदी सिर्फ 200 साल पुरानी है, जबकि मराठा साम्राज्य की जड़ें हर कोने में फैली थीं," उन्होंने कहा। राज ने यह भी आरोप लगाया कि हिंदी थोपने का प्रयास मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने आगाह किया कि "हम शांत हैं, लेकिन मूर्ख नहीं। किसके-किसके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, इसकी पूरी लिस्ट हमारे पास है।"

फडणवीस की शिक्षा पर टिप्पणी

राज ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस की अंग्रेजी शिक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने वाले हर व्यक्ति की निष्ठा पर शक करना गलत है। उन्होंने अपने पिता और बालासाहेब ठाकरे को याद करते हुए कहा कि वे भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़े थे, लेकिन उनका मराठी और हिंदुत्व के प्रति योगदान अमूल्य है। उन्होंने आगे कहा कि देश के बड़े नेता और अभिनेता जैसे जयललिता, स्टालिन, कमल हासन, पवन कल्याण, ए.आर. रहमान आदि भी अंग्रेजी में पढ़े हैं – तो क्या उनकी देशभक्ति या क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति प्रेम पर सवाल उठता है? राज ने भारतीय सेना की विविध रेजीमेंटों का उदाहरण देते हुए कहा, "जब दुश्मन हमला करता है, तब न कोई भाषा मायने रखती है और न जाति सब एकजुट होकर जवाब देते हैं।"

कार्यकर्ताओं को दी सलाह

राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया और हाल ही में मीरा रोड की एक घटना का हवाला दिया, जहां एक व्यवसायी की हत्या हुई। उन्होंने कहा, "क्या किसी के माथे पर लिखा होता है कि वह किस जाति या समुदाय से है? बेवजह किसी को मत मारो, लेकिन अगर कोई ज्यादा नाटक करता है, तो उसके कान के नीचे जरूर बजाओ। और अगली बार जब किसी को पीटो, तो उसका वीडियो मत निकालो।"

संक्षिप्त ख़बरें

श्रीराम यादव अध्यक्ष व शिवम राय बने सचिव

रूद्रपुर, देवरिया। ओकास रेजीडेंसी अपार्टमेंट सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ में ओकास रेजीडेंसी अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीराम यादव व शिवम राय सर्व सम्मति से सचिव चुने गए। 10 सदस्यीय बोर्ड का प्रथम वार्षिक चुनाव दिनांक 29 जून दिन रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ था। निर्वाचित सदस्यीय बोर्ड के अशोक कुमार, अजय द्विवेदी, अनिल नायक, गोविंद सिंह, कुलदीप कुमार, शकुंतला सिंह ने सर्व सम्मति से श्री राम यादव को अध्यक्ष,चंद्र शेखर को उपाध्यक्ष, शिवम राय को सचिव एवं कविता सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। पदाधिकारियों के मनोनयन पर सोसाइटी के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया व बधाई दी।

केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने किया पौधरोपण

देवरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को बासगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने बरहज विधानसभा क्षेत्र के सोनूघाट में वृक्षारोपण किया। यह कार्यक्रम ब्लॉक प्रमुख देवरिया सदर पवन कुमार गुप्त उर्फ पिंटू के संयोजन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पासवान ने आम जनता से अपील किया कि वे भी इस अभियान से जुड़ें और अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और यह अभियान हमें प्रकृति तथा मातृत्व दोनों से जोड़ता है। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रमुख ने सांसद से क्षेत्रीय विकास से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। विशेष रूप से पड़री मल्ल रेलवे ढाला पर अंडरपास की मांग प्रमुख रही। सांसद ने समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और आश्वासन दिया कि इस संबंध में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाएगी इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

अधिवक्ता की शर्मनाक करतूत! मदद के लिए आई महिला से जलालुद्दीन ने 3 साल तक किया रेप

●जबरन रखवाए रोजे, घर में पढ़ी नमाज, धर्मांतरण

स्वतंत्र प्रभात

आगरा- यूपी के आगरा से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला न्याय के लिए मदद मांगने अपने वकील के पास गई तो अधिवक्ता ने उसे हवस का शिकार बना डाला। वकील ने तीन साल तक महिला के साथ लगातार रेप किया। जब महिला ने उसका विरोध किया तो उसे बदनाम करने की धमकियां दीं। उसके घर पर नमाज पढने के साथ-साथ जबरन धर्म परिवर्तन का दवाब बनाने लगा। ऐसा न करने पर अधिवक्ता ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित महिला ने आरोपी के विरूद्ध दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

तफ्सील से जानें पूरा मामला

पूरा मामला जिले के थाना शाहगंज क्षेत्र का है। यहां की निवासी पीड़ित महिला अपनी बेटी और मां के साथ रहती है। महिला के पति विकलांग हैं और गुजरात में रहते हैं। पीड़िता ने बताया कि उसके भाईयों से उसका विवाद चल रहा था। साल 2019 में न्याय के लिए उसने दीवानी कचहरी स्थित अधिवक्ता जलालुद्दीन से संपर्क किया था। आरोपी जलालुद्दीन की नीयत उस पर डोल गई और एक दिन वह उसके घर आ धमका। महिला की तबीयत खराब होने की वजह से वह उसे दवा दिलाने के बहाने एमजी रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय ले गया। जहां उसने महिला को पिस्टल की नोंक पर अपनी हवस का शिकार बनाया। जिसके बाद बदनाम करने की धमकी भी दी। आरोपी अधिवक्ता ने कहा कि मेरी बहुत ऊंची पहुंच है। इस घटना के बाद आरोपी अधिवक्ता महिला को ब्लैकमेल कर लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

घर में पढ़ता था नमाज

अकेले रहने का फायदा उठाकर वह महिला के घर भी आने लगा। घर में जब कोई नहीं होता तो वह उसके साथ दुष्कर्म करता। पीड़िता ने बताया उसकी मां की मौत के बाद उसकी हिम्मत इतनी बढ़ गई कि उसके घर पर ही कब्जा जमा लिया और नमाज पढ़ने लगा। आरोपी महिला से रोजे रखवाता था। उससे निकाह करने और धर्म परिवर्तन करने का दवाब बनाता था। पीड़िता ने जब विरोध किया तो उसके ऊपर चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस ने नहीं दर्ज की एफआईआर

पीड़िता का कहना है कि जलालुद्दीन की शिकायत करने के लिए वह थाना शाहगंज गई, लेकिन किसी ने उसकी एक नहीं सुनी। वह न्याय के लिए दर-दर भटक रही थी। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश जारी है।

राम भरोसे उत्तर प्रदेश के जिला अस्पताल की इमरजेंसी!

●खाली कुर्सी और लचर व्यवस्था ने खोली पोलमरीज करता रहा इंतजार, न डॉक्टर मिला, न मददगार, इंटर्न ने किया इलाज

स्वतंत्र प्रभात

बुलंदशहर - उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बाबू बनारसी दास चिकित्सालय से एक अनोखा मामला सामने आया है। रात के समय इमरजेंसी में न तो डॉक्टर मिलते और न ही फार्मासिस्ट मिलते हैं। यहां इंटर्नशिप कर रहे बच्चे इलाज करते हैं। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, सड़क हादसे में घायल एक युवक को बुलंदशहर के जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। जहां पर इलाज के नाम पर खाना पूर्ति देखने को मिली। जब युवक को इमरजेंसी में भर्ती कराया, तब वहां पर डॉक्टर और फार्मेसी नहीं मिले।

सबसे हैरानी की बात यह है की यहां मरीज के इलाज के नाम पर खिलवाड़ हो रहा है। इंटर्नशिप कर रहे बच्चे ही उसका इलाज करने लगे। अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घायल युवक के परिजन ने बताया कि जब युवक को घायल अवस्था में लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, तो इमरजेंसी में न तो डॉक्टर मिला और न ही फार्मासिस्ट। उधर इस मामले में सीएमएस ने वीडियो के आधार पर मामले में जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

अचानक राहगीरों के सामने आ गया बाघ, रिमझिम बारिश में वनराज को रोड क्रॉस करते देख लोगों की अटक गई सांसें

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना-छतरपुर मार्ग स्थित पांडव फॉल के पास नेशनल हाईवे-39 पर शुक्रवार की शाम को रिमझिम बारिश के बीच एक बाघ सड़क पार करते हुए दिखाई दिया। इस नजारे को देखकर राहगीरों के वाहनों के पहिये थम गए, और वे इस रोमांचक पल को अपने कैमरों में कैद करने लगे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पांडव फॉल के मनमोहक दृश्य के साथ-साथ बारिश की फुहारों के बीच जब अचानक एक बाघ सड़क पर आया, तो वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। बाघ कुछ देर सड़क पर चहलकदमी करता रहा, और फिर जंगल की ओर चला गया। इस दौरान किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। आपको बता दें की बारिश के दौरान पन्ना टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र के गेट पर्यटकों के लिए बंद हो गए हैं, जिससे टाइगर रिजर्व का माहौल एक दम शांत हो गया है, बारिश में पन्ना टाइगर रिजर्व के वन्य जीव अब सड़कों की तरफ रुख करने लगे हैं, वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि एक बाघ रिमझिम बारिश में मदमस्त चाल में सड़क क्रॉस कर रहा है जिसे देख राहगीर रोमांचित हो उठे।

दिल्ली में एक घर से दो सगे भाइयों समेत 4 शव बरामद, पूरे इलाके में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके में एक घर से चार शव मिलने की सनसनीखेज खबर ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। पुलिस ने सभी शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं और मामले की तहकीकात तेज कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि इन चारों में से दो शव सगे भाइयों के हैं, जबकि एक की हालत गंभीर है और उसका इलाज जारी है।

कैसे सामने आया मामला?

घटना की शुरुआत उस वक्त हुई जब जीशान नाम के एक शख्स ने पीसीआर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी कि उसका भाई काफी समय से फोन नहीं उठा रहा है और जिस घर में वह रहता है, वह अंदर से बंद है। जीशान ने पुलिस को बताया कि घर में उसका रिश्तेदार इमरान उर्फ सलमान, मोहसिन, हसीब और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति रहते हैं। चारों लोग एसी मैकेनिक हैं और किराए के एक रूम सेट में साथ रहते थे।

मौके पर पहुंची पुलिस को मिला चौंकाने वाला नज़ारा

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो देखा कि मकान की पहली मंज़िल पर चारों युवक बेहोशी की हालत में पड़े हैं। तत्काल एम्बुलेंस की मदद से उन्हें अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां से तीन की हालत गंभीर देख उन्हें सफदरजंग और एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक - हसीब - अभी भी अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

क्या हो सकती है मौत की वजह?

पुलिस ने प्रारंभिक जांच में दम घुटने या किसी गैस के रिसाव की आशंका जताई है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चलेगा। पुलिस फिलहाल मामले की गहराई से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। कमरे से किसी तरह की संदिग्ध वस्तु या गैस सिलेंडर जैसी चीज नहीं मिली है, लेकिन हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

परिवार और रिश्तेदारों से संपर्क

पुलिस ने मृतकों के परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी है। वहीं, कॉल करने वाले जीशान से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना से पहले की स्थिति और युवकों की दिनचर्या के बारे में जानकारी मिल सके।

इलाके में दहशत का माहौल

इस घटना के बाद इलाके में डर और बेचैनी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारों युवक मेहनतकश और मिलनसार थे, और किसी के साथ उनका कोई विवाद नहीं था। बता दें कि कुछ महीने पहले भी न्यू अशोक नगर के कोंडली नपुल इलाके में 27 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर सलमान की संदिग्ध मौत हुई थी। पुलिस ने इसे सड़क हादसे का मामला बताया था, लेकिन मृतक के परिवार ने हत्या का शक जताया था। सलमान की निजी जिंदगी भी काफी जटिल रही। वह 32 ब्लॉक इलाके में परिवार के साथ रहता था। उसके माता-पिता, दो भाई और एक बहन हैं। सलमान की शादी हुई थी, लेकिन एक साल पहले उसकी पत्नी ने तलाक ले लिया था। उसकी एक बेटी भी है, जो मां के साथ रहती है। वहीं अब दक्षिणपुरी के चार शवों के मामले में भी सभी को बेसब्री से जांच के नतीजों का इंतजार है ताकि इस रहस्यमय मौत का पर्दाफाश हो सके।

नयी प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी- पीयूष गोयल

स्वतंत्र प्रभात

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। Indian Institute of Technology (IIT) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, "आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।"

गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में बदल रहा है। उन्होंने कहा, "बेशक, कुछ छोटे उपायों में, हमने स्टार्टअप पारिस्थितिकी और इसका समर्थन करने के लिए विभिन्न अन्य पहलों का हिस्सा बनने की कोशिश की है, साथ ही आईआईटी मद्रास जैसे संगठनों ने जो काम किया है, उसका भी हिस्सा बनने की कोशिश की है।" गोयल ने कहा कि भारत की नीतियां भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र बनाने के लिए बनाई गई हैं, जो प्रौद्योगिकी को अपनाता है, काम करने और जीने के नए तरीकों को अपनाता है, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग तथा डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। मंत्री ने कहा, "हम नयी प्रौद्योगिकियों से पीछे नहीं हटते। हमारा मानना है कि ये प्रौद्योगिकियां हमें विकास की सूची में आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।" उन्होंने कहा कि इससे भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव का विस्तार जारी रखते हुए वैश्विक व्यापार में मंदी की प्रवृत्ति को रोकने में मदद मिलती है।

भारतीय महिलाओं में बढ़ती अपराध प्रवृत्ति -सामाजिक चेतना के लिए एक संकेत

भारतीय समाज में नारी को अब तक करुणा, सहनशीलता, नैतिकता, त्याग, ममता और मर्यादा की मूर्ति के रूप में देखा गया है। 'जननी', 'गृहलक्ष्मी' और 'संस्कारों की संरक्षिका' जैसे विशेषण सदियों से भारतीय नारी को परिभाषित करते रहे हैं। लेकिन आधुनिक तकनीकी सदी में जहाँ महिलाएँ शिक्षा, राजनीति, विज्ञान, सेना, व्यवसाय और नेतृत्व के उच्च शिखरों को छू रही हैं, वहीं एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कुछ महिलाएँ अब अपराध की दुनिया में भी प्रवेश कर रही हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत नहीं, अपितु सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक संकेत भी देती है कि हमारे मूल्यों और तंत्रों में कहीं न कहीं कोई असंतुलन उत्पन्न हो रहा है।

महिला अपराध के क्षेत्र (विविध और चिंताजनक विस्तार)

यद्यपि महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अपराधों की संख्या पुरुषों की तुलना में बहुत कम है, लेकिन इनकी प्रकृति अब जघन्य अपराधों तक पहुँचने लगी है। कुछ महिलाएँ अब व्यभिचार, आर्थिक अपराध, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी, साइबर अपराध और यौन शोषण जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त पाई गई हैं।दहेज कानून का दुरुपयोग कर पुरुषों और उनके परिवार को झूठे मामलों में फँसाना अब आम बात हो गई है।विवाहेत्तर संबंधों के चलते ब्लैकमेलिंग, आत्महत्या के लिए उकसाना और हत्या जैसे अपराधों में भी महिलाओं की संलिप्तता देखी गई है।सोशल मीडिया पर फेक प्रोफाइल, ब्लैकमेलिंग, ÷इमोशनल फ्रॉड÷, ÷लव स्कैम÷ और हनी ट्रैप जैसे संगठित अपराधों में भी कुछ महिलाएँ सक्रिय हैं।कामकाजी महिलाओं द्वारा घरेलू नौकरों, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति दुर्व्यवहार, उपेक्षा और मानसिक प्रताड़ना की घटनाएँ सामने आ रही हैं।मानव तस्करी और वेश्यावृत्ति में महिलाएँ दलाल या एजेंट के रूप में कार्य करती पकड़ी गई हैं।फर्जी बैंक खाता, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी और जासूसी जैसी गतिविधियों में भी महिलाओं की संलिप्तता पाई गई है।

अपराध की ओर झुकाव के कारण(मनोवैज्ञानिक और सामाजिक विश्लेषण)

महिलाओं के अपराध में लिप्त होने के पीछे कई व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक कारण उभरकर सामने आते हैं जैसे - फिल्मों, वेब सीरीज और सोशल मीडिया ने आधुनिकता को उच्छृंखलता से जोड़ दिया है, जिससे नैतिक मूल्यों का ह्रास हुआ है।संयुक्त परिवारों का विघटन, तलाक, असफल प्रेम संबंध, एकल मातृत्व जैसी स्थितियाँ मानसिक तनाव को बढ़ा रही हैं। दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम जैसे महिला हितैषी कानूनों का कभी-कभी गलत उपयोग कर 'कानूनी अपराध' की एक नई परिभाषा गढ़ी जा रही है। आत्मसम्मान की कुंठा, बदले की भावना, गुस्सा या अवसाद जैसी मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ महिलाओं को अपराध की दुनिया में जाने के लिए उकसा रही हैं।

महिला अपराध के सामाजिक संकेत(नैतिकता की चुनौतियाँ)

जब वे महिलाएँ, जिन्हें समाज नैतिकता की प्रतीक मानता था, अपराध में संलिप्त होने लगती हैं, तो यह समाज के नैतिक ढाँचे को झकझोरता है।इससे नारी सशक्तिकरण की अवधारणा पर आंच आती है और महिला-विरोधी पूर्वग्रह को बल मिलता है। वास्तविक पीड़ितों को न्याय मिलना कठिन हो जाता है क्योंकि न्याय प्रणाली झूठे मामलों के बोझ से दब जाती है।समाज में एक अनैतिक सामान्यीकरण पनपने लगता है - जहाँ संदेह, अविश्वास और सामाजिक अस्थिरता जन्म लेने लगती है।

सशक्तिकरण का संतुलित और नैतिक दृष्टिकोण

भारतीय महिलाओं में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियाँ केवल आँकड़ों का विषय नहीं हैं, यह समाज की नैतिक संरचना, पारिवारिक संतुलन और वैचारिक दिशा के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं। आधुनिकता, स्वतंत्रता और अधिकारों की यह यात्रा यदि उत्तरदायित्व, संवेदना और विवेक से वंचित रह जाए, तो नारी का व्यक्तित्व सशक्तिकरण के स्थान पर विकृति की ओर मुड़ सकता है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि केवल महिलाएँ ही नहीं, पुरुष और समाज भी इस विकृति के लिए आंशिक रूप से उत्तरदायी हैं। कई बार पुरुषों की उपेक्षा, शोषण, धोखा, हिंसा या भावनात्मक बेरुखी महिलाओं को अवसाद, क्रोध या प्रतिशोध की ओर ले जाती है, जो आगे चलकर आपराधिक व्यवहार का कारण बन सकती है। इसलिए –पुरुषों को चाहिए कि वे महिलाओं के साथ समानता, सम्मान और सहयोग का व्यवहार करें, न कि स्वामित्व, उपयोग या दमन का;विवाह, प्रेम और पारिवारिक रिश्तों में पारदर्शिता और ईमानदारी को बनाए रखें, जिससे महिलाएँ धोखा, तिरस्कार या अन्याय के कारण अपराध की ओर न बढ़ें। अतः पुरुषों को भी आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या उनका व्यवहार किसी महिला को नैतिक या मानसिक रूप से उस सीमा तक ले जा रहा है जहाँ वह स्वयं को अपराध में उलझा पाती है।

महिला सशक्तिकरण की परिभाषा को केवल बाह्य उपलब्धियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उसे आंतरिक शुचिता, विवेक, उत्तरदायित्व और समाज के प्रति प्रतिबद्धता से जोड़ना होगा। नारी यदि निर्माणकर्ता है, तो उसके विचार, आचरण और दिशा भी उतनी ही पवित्र और प्रबुद्ध होनी चाहिए। समाधान और सुझाव- महिला अपराधों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम के रूप में नैतिक शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को स्कूली और महाविद्यालयीन पाठ्यक्रम में अनिवार्य किया जाए;सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर नियंत्रण पर विचार हो, साइबर जागरूकता और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए;महिला केंद्रित कानूनों की समीक्षा की जाए ताकि उनके दुरुपयोग की गुंजाइश न्यूनतम हो;महिला अपराधियों के पुनर्वास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में लौट सकें;परिवार और मीडिया दोनों को चाहिए कि वे महिलाओं में संवेदनशीलता, आत्मनियंत्रण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करें;पुरुषों और लड़कों को भी 'सम्मान आधारित व्यवहार' की शिक्षा दी जाए, जिससे लैंगिक संतुलन और समझ बेहतर हो। सारांश में हम कह सकते हैं कि समाज तभी विकसित होगा जब नारी - सशक्त होकर भी संयमित और पुरुष - स्वतंत्र होकर भी मर्यादित रहेगा।

डॉ मनमोहन प्रकाश

संपादकीय

पैरेंटिंग 2.0- तकनीक और ममता के बीच पुल बनते माता-पिता

[डिजिटल चुनौतियों में घिरा बचपन- पथ-प्रदर्शक बनते अभिभावक]

जब एक बच्चे की मासूम आँखों में दुनिया की पहली किरण झलकती है, तो उसकी नजरें माता-पिता का चेहरा नहीं, बल्कि उनके अथाह प्यार, उनकी गर्माहट और उनकी अनंत उम्मीदों का सागर देखती हैं। यह वह पल है, जब एक नन्हा दिल धड़कना शुरू करता है, और माता-पिता का हर शब्द, हर स्पर्श, उस कोरे मन की किताब पर अमिट स्याही बनकर उतरता है। लेकिन आज का दौर वह नहीं, जहाँ केवल लोरियों की मिठास या परियों की कहानियों का जादू बच्चे का भविष्य संवार सकता है। यह युग डिजिटल चमक, सूचनाओं के तूफान और जटिल रिश्तों का है। यहाँ पेरेंटिंग अब सिर्फ़ पालन-पोषण नहीं, बल्कि एक ऐसी कला है, जो बच्चों को तकनीक की चकाचौंध और मानवीय संवेदनाओं के बीच संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह एक अनमोल सफ़र है, जहाँ माता-पिता न केवल मार्गदर्शक, बल्कि सहयात्री बनकर बच्चों के साथ कदम मिलाते हैं–सीखते, समझते और एक नई दुनिया को गढ़ते हुए। आज के बच्चे डिजिटल युग के सच्चे सिपाही हैं, जिनका जन्म ही स्क्रीनों की चमक और सूचनाओं के सैलाब के बीच हुआ है। यूनिसेफ इंडिया (2023) के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 6-14 वर्ष के 71% बच्चे रोज़ाना स्मार्टफोन से जुड़े रहते हैं, औसतन 3-4 घंटे स्क्रीन की दुनिया में खोए रहते हैं। यूट्यूब उनकी पाठशाला है, सोशल मीडिया उनका मंच, और वर्चुअल दुनिया उनकी पहचान का आईना। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे छुपा है एक अदृश्य खतरा–साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और स्क्रीन की लत का जाल। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एनसीबीआई, 2024) के शोध के अनुसार, 10-18 वर्ष के 28त्न किशोरों ने ऑनलाइन उत्पीड़न का दंश झेला है, और 35% स्क्रीन की अतिशयता से तनाव और चिंता के शिकार हुए हैं। ऐसे में माता-पिता की भूमिका अब केवल नियमों की चौकीदारी तक सीमित नहीं। उन्हें एक भावनात्मक पथप्रदर्शक बनना है–जो स्क्रीन की ठंडी चमक के पीछे छुपे बच्चे के डर, असुरक्षा और अनकहे सपनों को न केवल समझे, बल्कि उनके साथ कदम से कदम मिलाकर एक सुरक्षित और प्रेरणादायक भविष्य का निर्माण करे। पेरेंटिंग अब आदेशों का शोर नहीं, बल्कि संवाद का सौम्य संगीत है। वह दौर लद गया, जब डाँट और नसीहत से बच्चे का रास्ता बन जाता था। आज का बच्चा भरोसे की गर्माहट और खुले दिल की तलाश में है। प्यू रिसर्च सेंटर (2024) के एक सर्वे में 62% किशोरों ने खुलासा किया कि वे अपने माता-पिता के साथ दिल खोलकर बात करना चाहते हैं, मगर केवल 29त्न को लगता है कि उनकी भावनाओं को सही मायने में समझा जाता है। यह आँकड़ा एक गहरी सच्चाई को उघाड़ता है–बच्चों को सुनने और समझने की ज़रूरत अब पहले से कहीं ज़्यादा है। माता-पिता को हर सवाल का जवाब थोपने के बजाय, बच्चों को सवाल उठाने की हिम्मत देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर बच्चा सोशल मीडिया के किसी ट्रेंड के पीछे भागना चाहता है, तो उसे डाँटने के बजाय, प्यार से समझाना होगा कि वह ट्रेंड क्यों भटकाने वाला हो सकता है। यह प्रक्रिया न सिर्फ़ बच्चे की तार्किक सोच को जागृत करती है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी आसमान की ऊँचाइयों तक उड़ान देती है। डिजिटल साक्षरता अब पेरेंटिंग का अभिन्न अंग है, एक ऐसी कला जो आज के युग में अपरिहार्य है। बच्चे एआई से सवाल पूछते हैं, गेमिंग प्लेटफॉर्म पर दोस्त बनाते हैं, और ऑनलाइन अपनी पहचान की तलाश में भटकते हैं। मगर इस चमकती वर्चुअल दुनिया में वे अक्सर अकेलेपन, तुलना के दबाव, और आत्मसम्मान की चुनौतियों के भँवर में फँस जाते हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (2023) के एक अध्ययन ने खुलासा किया कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में आत्मसम्मान 20त्न तक घट जाता है। ऐसे में माता-पिता को बच्चों को न केवल डिजिटल साक्षरता, बल्कि भावनात्मक परिपक्वता का पाठ भी पढ़ाना होगा। इसका अर्थ है–ऑनलाइन सामग्री की सत्यता को परखना, साइबर सुरक्षा के गुर सिखाना, और स्क्रीन टाइम का संतुलन बनाना। माता-पिता को बच्चों की ऑनलाइन दुनिया में सहयात्री बनना होगा, खुली चर्चा के ज़रिए उनके अनुभवों को समझना होगा। मिसाल के तौर पर, अगर बच्चा यूट्यूब पर कोई वीडियो देख रहा है, तो माता-पिता उस कंटेंट पर बात शुरू कर सकते हैं, यह पूछते हुए कि उसने उससे क्या सीखा। यह न सिर्फ़ बच्चे की आलोचनात्मक सोच को निखारता है, बल्कि माता-पिता के साथ उनके रिश्ते को भी अटूट विश्वास की डोर से बाँधता है। आज के माता-पिता को एक सखा की तरह होना होगा–वह साथी, जो बच्चे को न केवल चलना सिखाए, बल्कि गिरकर उठने का साहस भी दे। उन्हें हर सवाल का जवाब थोपने के बजाय, सही सवाल पूछने की कला सिखानी होगी। पेरेंटिंग अब महज़ मार्गदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत संवाद है, जहाँ माता-पिता और बच्चा कंधे से कंधा मिलाकर सीखते हैं–तकनीक की रफ्तार को गले लगाते हुए, संवेदनाओं की गर्माहट को सहेजते हुए, और भविष्य को सुनहरे सपनों से संवारते हुए। ऐसे युग में, जहाँ बच्चे एक कमरे में बैठकर हजारों लोगों से जुड़ सकते हैं, यह अनिवार्य है कि वे अपने माता-पिता के साथ भावनात्मक बंधन में बंधे रहें। क्योंकि अगर माता-पिता ने उन्हें समय, समझ, और प्यार की छाँव नहीं दी, तो दुनिया का तूफान उन्हें भटकाने को तैयार बैठा है। आज के माता-पिता को अपनी भूमिका को नए सिरे से गढ़ना होगा। वे अब केवल पालनकर्ता नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत, मार्गदर्शक और डिजिटल युग के जीवन गुरु हैं। उन्हें बच्चों को न सिर्फ़ ज्ञान की रोशनी देनी है, बल्कि संवेदना, सहिष्णुता और आत्मनियंत्रण जैसे अमूल्य रत्न भी सौंपने हैं। जब बच्चे की आँखों में यह अटूट विश्वास चमकेगा कि "मेरे माता-पिता मेरे साथ हैं, मेरे दिल को समझते हैं, और हर तूफान में मेरी ढाल हैं," तभी हम गर्व से कह सकेंगे कि हमने न केवल एक बेहतर इंसान, बल्कि एक उज्ज्वल, मानवीय युग का निर्माण किया है।

प्रो. आरके जैन

सड़क पर बढ़ती मॉब जस्टिस की घटनाएँ क़ानून की हार या समाज की पीड़ा?

भारत की सड़कों पर न्याय अब गवाही, सुनवाई और कानून की बारीकियों से तय नहीं होता, बल्कि भीड़ के शोर, संदेह और सनक से तय होने लगा है। मॉब जस्टिस या कहें भीड़तंत्र, वह त्रासद दृश्य बन गया है जो किसी दुर्घटना की तरह नहीं, बल्कि एक सामाजिक महामारी की तरह देश के कोने-कोने में फैल रहा है। जिस देश की न्याय-व्यवस्था दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक की विरासत है, वहां अब खुलेआम इंसाफ की बागडोर भीड़ के हाथों में सौंप दी जा रही है। कभी गोमांस के शक पर, कभी चोरी के संदेह में, कभी बच्चा चोरी की अफवाहों के बीच, तो कभी जातीय या धार्मिक भ्रामकता के आधार पर भीड़ एक निर्णय लेती है, एक सज़ा तय करती है, और बिना अदालत, बिना गवाही, बिना किसी कानून के पालन के किसी व्यक्ति को मौत के घाट उतार देती है। वह इंसान कौन था, क्या सचमुच दोषी था, उसका पक्ष क्या था यह सब सवाल पीछे छूट जाते हैं। जो रह जाता है वह है सड़कों पर पड़ी लाशें, वीडियो क्लिप्स, वायरल हो रही हिंसा और एक गूंगी होती संवेदना। जिस न्याय प्रणाली की बुनियाद इस सिद्धांत पर टिकी है कि सौ अपराधी छूट जाएँ, पर एक निर्दोष को सज़ा न हो, उस व्यवस्था के भीतर अब एक उल्टा दर्शन पनप रहा है यदि संदेह है तो दंडित करो, भले ही निर्दोष हो। यह केवल विधिक विफलता नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, नैतिक और संवैधानिक संकट है। भारत का संविधान स्पष्ट रूप से यह कहता है कि हर नागरिक को न्याय पाने का समान अधिकार है। अनुच्छेद 21 यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी नागरिक से उसकी स्वतंत्रता या जीवन, बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के, नहीं छीना जा सकता। मॉब जस्टिस इन मूलभूत संवैधानिक मूल्यों का खुला उल्लंघन है। भीड़तंत्र दरअसल न्याय नहीं, अधिनायकवाद है। यह वह मानसिकता है जो समाज के भीतर पल रही हताशा, डर, कुंठा और बदले की भावना से जन्म लेती है। जब न्यायालयों में वर्षों तक फैसले नहीं आते, जब पुलिस जांच के नाम पर चुप्पी साध लेती है, जब सत्ता पक्ष अपराधियों को संरक्षण देता है, तब नागरिकों के भीतर यह धारणा बनती है कि न्याय अब उनके हाथ में लेना ज़रूरी हो गया है। यही वह क्षण होता है जब संवैधानिक लोकतंत्र की आत्मा कराह उठती है। यह खतरा केवल कानून की अक्षमता से नहीं, समाज की चुप्पी और सहमति से भी जन्म लेता है। जब लोग वीडियो बनाते हैं, पर मदद नहीं करते, जब सोशल मीडिया पर हिंसा की प्रशंसा होती है, जब धर्म और जाति के नाम पर हत्याएं न्याय में बदल दी जाती हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि यह केवल अपराध नहीं, एक सामाजिक स्वीकृति बन गई है। संविधान किसी भी भीड़ को न्याय करने का अधिकार नहीं देता। कानून का राज और भीड़ का राज दोनों में बुनियादी अंतर है। पहला न्याय पर आधारित होता है, दूसरा भावनाओं पर। पहले में सबूत, दलील, अपील और सुनवाई होती है, दूसरे में अफवाह, उत्तेजना और हत्या। मॉब लिंचिंग केवल किसी एक समूह या वर्ग की समस्या नहीं है, यह पूरे समाज की आत्मा पर लगा कलंक है। इसने न केवल निर्दोषों की जान ली है, बल्कि हमारे सामाजिक विश्वास, संस्थागत ढांचे और लोकतांत्रिक चेतना को भी गहरा आघात पहुंचाया है। यह विडंबना है कि हम उस देश में रह रहे हैं जहाँ संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कानून को समाजिक परिवर्तन का उपकरण माना था, लेकिन आज उसी समाज में कानून को ठोकर मार कर भीड़ खुद को जज, जूरी और जल्लाद घोषित कर रही है। यह गिरावट मात्र किसी विधायी दोष का परिणाम नहीं, बल्कि हमारी नैतिक पराजय का संकेत है। कई राज्यों ने मॉब लिंचिंग के विरुद्ध कड़े कानून बनाए हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन अक्सर राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक निष्क्रियता के सामने बौना साबित होता है। सिर्फ कानून बना देना काफी नहीं होता, जब तक न्याय प्रणाली में आम जनता का भरोसा बहाल न हो, जब तक पीड़ितों को सुरक्षा, गवाहों को संरक्षण और आरोपियों को निष्पक्ष दंड न मिले । तब तक भीड़ का यह तांडव चलता रहेगा। मीडिया की भूमिका भी इस उन्माद को बढ़ावा देती है। जब टीआरपी की भूख में समाचार चैनल हत्या के दृश्यों को सनसनी बनाकर परोसते हैं, जब वे पीड़ित की जगह आरोपी को नायक बना देते हैं, तब यह हिंसा सिर्फ एक घटना नहीं, एक विचारधारा बन जाती है जिसे भीड़ आत्मसात कर लेती है। समाधान केवल कानून के कठोर दंड में नहीं, बल्कि समाज की आत्मा के पुनर्निर्माण में है। हमें स्कूलों, विश्वविद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों में संवैधानिक मूल्यों पर संवाद की आवश्यकता है। हमें यह सिखाना होगा कि न्याय का अर्थ बदला नहीं होता, और कानून को अपने हाथ में लेना दरअसल अपनी ही सुरक्षा को खतरे में डालना है। लोकतंत्र में असहमति की जगह होती है, लेकिन अराजकता की नहीं। समाज को यह तय करना होगा कि वह कानून के राज में विश्वास करता है या भावनात्मक अंधता के उस तंत्र में जहाँ संदेह ही सज़ा बन जाता है। यदि आज हमने इस सवाल का उत्तर नहीं खोजा, यदि हमने भीड़ की मानसिकता को चुनौती नहीं दी, तो कल हर नागरिक भय की परछाई में जीने को मजबूर होगा। मॉब जस्टिस की घटनाएँ हमें यह बताती हैं कि भारत केवल आर्थिक, तकनीकी या राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक रूप से भी एक गहरे संकट से गुजर रहा है। यह संकट केवल सरकार या न्यायपालिका का नहीं, यह संकट हम सबका है उस समाज का जिसने आँखें मूंद रखी हैं, उस वर्ग का जो चुप है, और उस भीड़ का जो तय करती है कि किसे जीने का हक़ है और किसे नहीं। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम इस भयावह प्रवृत्ति के विरुद्ध आवाज़ उठाएँ। एकजुट होकर संविधान, कानून, नैतिकता और मानवीय गरिमा के पक्ष में खड़े हों। क्योंकि यदि हम चुप रहे, तो आने वाला समय न केवल असुरक्षित होगा, बल्कि अन्यायी भी।भीड़ के हाथों न्याय नहीं होता केवल विध्वंस होता है। और विध्वंस की राख से कभी कोई सभ्यता नहीं उगती।

हंसराज चौरसिया

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए हरित बदलाव

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है। जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों- "सुधार, प्रदर्शन और बदलाव" पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानी' की सुविधा प्रदान करते हुए तेज गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं, बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ था, इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो ÷इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था÷ दोनों के लिए फायदेमंद हो। वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरूआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र का निर्माण हुआ।

कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ौतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और ÷प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत÷ पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकर्ताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है। 'परिवेश' ने पर्यावरण संबंधी मंजूरी की बोझिल एवं कागज-आधारित प्रक्रिया को एक सुव्यवस्थित एवं मजबूत डिजिटल अनुभव में बदल दिया है। इस दृष्टिकोण ने जहां पर्यावरण से जुड़े सख्त मूल्यांकन को बनाए रखा है, वहीं इस प्रक्रिया में लगने वाले समय में काफी कमी ला दी है और पारदर्शिता को बढ़ाया है। वर्ष 2019 में शहरों पर केन्द्रित कार्य योजनाओं से लैस 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम' (एनसीएपी) के आधिकारिक शुभारंभ ने हमें नीति निर्माता एवं नियामक से बदलकर अमल करने वाला बना दिया है। एनसीएपी का लक्ष्य 2025-26 तक पीएम10 सांद्रता में 40 प्रतिशत की कमी लाना या आधार वर्ष 2017-18 की तुलना में 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के राष्ट्रीय मानक को हासिल करना है। एनसीएपी के साथ-साथ सीपीसीबी ने एनसीएपी के तहत आने वाले 131 शहरों में वायु की गुणवत्ता के रुझान की बारीकी से निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

1 जुलाई, 2022 से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 31 दिसंबर 2022 से 120 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाली प्लास्टिक शीट पर प्रतिबंध ने जहां पर्यावरण के क्षेत्र में साहसिक नेतृत्व का परिचय दिया, वहीं उसी वर्ष शुरू किए गए 'जल जीवन मिशन' ने पानी की सुलभता को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ा। एक व्यापक 'भारत शीतलन कार्य योजना' विकसित करके भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस कार्य योजना में विभिन्न क्षेत्रों की शीतलन संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण समावेश है तथा इसमें ऐसे कार्यों की सूची दी गई है जो शीतलन से जुड़ी मांग को कम करने में सहायक हो सकते हैं। भारत ने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उत्सर्जन में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने हेतु 27 सितंबर 2021 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन का अनुमोदन किया। इसके तहत 2032 से आगे चार चरणों में चरणबद्ध तरीके से इस कार्य को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है और 2032, 2037, 2042 एवं 2047 में उत्सर्जन में क्रमशः 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 85 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। वर्ष 2022 में पारित ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम ने भारत की कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना की स्थापना की।

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष–आज किसी लंबे मनोरंजक प्रवास का कार्यक्रम बन सकता है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सरकारी कामकाज में अनुकूलता रहेगी। स्थिति नियंत्रण में रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। जोखिम न उठाएं।

वृष–आज कोई पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। शारीरिक हानि की आशंका बनती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से दिल को ठेस पहुंच सकती है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। आय में निश्चितता रहेगी, धैर्य रखें।

मिथुन–आज गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। जीवनसाथी को भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लापरवाही न करें। कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कामों में अनुकूलता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें।

कर्क–आज आर्थिक वृद्धि के लिए नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

शारीरिक शिथिलता रहेगी।

सिंह–आज पहले किसी व्यक्ति को दिए गए कर्ज की वसूली हो सकती है। व्यावसायिक प्रवास सफल रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। कोई नई समस्या आ सकती है। शारीरिक कष्ट भी आशंका है, लापरवाही न करें। नौकरी में चैन रहेगा। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कन्या–आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। व्यावसायिक प्रवास हो सकता है। काम में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा। लाभ होगा।

तुला–आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कार्य के प्रति उत्साह रहेगा। जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना सफल रहेगी। बड़ा लाभ हो सकता है। प्रमाद न करें। कुबुद्धि हावी रह सकती है इसलिए कोई भी निर्णय सोम-समझकर करें।

वृश्चिक–आज कोई बड़ा खर्च अचानक सामने आ सकता है। व्यवस्था में मुश्किल होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। गुस्से पर काबू रखें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। धनहानि की आशंका बन सकती है। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु–आज पहले किए गए प्रयास का लाभ अब मिलेगा। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। निवेश शुभ फल देगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। खोई हुई वस्तु मिल सकती है। प्रमाद न करें।

मकर–आज कामकाज में अधिक ध्यान देगा पड़ेगा। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। समय पर काम नहीं होने से तनाव रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। व्यापार-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कुंभ–आज आय में सुगमता रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता बढ़ेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आनंद और उल्लास के साथ जीवन व्यतीत होगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। चोट व रोग से हानि संभव है।

मीन–आज किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें। बेवजह विवाद हो सकता है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

बाबू त्रिलोकी सिंह इंटर कॉलेज में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में "एक पेड़ मां के नाम" के स्लोगन के साथ यूपी सरकार द्वारा चलाए जा रहे वन महोत्सव अभियान के अंतर्गत बाबू त्रिलोकी सिंह इंटर कॉलेज काकोरी में आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन वन रेंजर सोनम दीक्षित के द्वारा किया गया। वन महोत्सव कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ0 आर0के0 सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता सुनील कुमार, विद्यालय के इको क्लब के अध्यक्ष विनोद कुमार वर्मा, वन रेंजर सोनम दीक्षित, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी राजीव कुमार गौतम, वन दरोगा मंगतू प्रसाद चौधरी, वन दरोगा आशीष कुमार वर्मा, प्रीति पांडे, वनरक्षक अंशु यादव सहित अन्य स्टाफ व स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नीम, जामुन, कनक, चंपा आदि पौधे रोप कर छात्रों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

डीएम एसपी ने मोहर्रम के जुलूस मार्ग का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ राजा गणपति आर व पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए गुरूवार की सायं नगर पंचायत क्षेत्र शोहरतगढ़ व बढ़नी में जवानों साथ फ्लैग मार्च निकाला।डीएम ने कहा कि पर्व की आड़ में सुरक्षा के साथ खिलवाड़ व उपद्रव मचाने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। मोहर्रम का जुलुस निर्धारित मार्ग से ही निकालेंगे।किसी नई परम्परा की शुरुआत नहीं करेंगे।किसी ने तेज आवाज में बाजा बजाकर हुड़दंगई करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा।डीएम ने दोनों समुदाय के लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम के पर्व को संपन्न कराने के लिए आपसी भाईचारा व एक दूसरे का सहयोग करते हुए संपन्न कराएं। एसपी डा अभिषेक महाजन ने कहा कि पुलिस की कड़ी सुरक्षा में मोहर्रम का जुलूस संपन्न होगा। जुलुस के आसपास सादे वर्दी में जवान हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।सभी थाना प्रभारियों को निरंतर गस्त करने का निर्देश दिया गया है।आसामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। कहा कि कोई भी बड़ी घटना छोटी छोटी बातों को नजरंदाज करने से घटती है। फ्लैग मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार, एसडीएम राहुल सिंह,सीओ सुजीत कुमार राय, थाना प्रभारी बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी, गौरव सिंह,अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, उप निरीक्षक सुधीर कुमार त्रिपाठी, प्रदीप कुमार चौहान आदि मौजूद रहें। उधर कस्बा बर्डपुर में क्षेत्राधिकारी सदर व थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय पुलिस टीम द्वारा बलबा ड्रिल किया गया तथा मोहर्रम के जुलूस की दृष्टिगत ब्रीफिंग की गई।

ननिहाल आये छः वर्षीय मासूम की पोखरे में डूबने से मौत

मृतक फाइल फोटो

सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के लुचुईयां गावं के टोला नरौड़ा के उत्तर पोखरे में एक छः वर्षीय मासूम के पोखरा में डूब जाने से मौत हो गयी। मासूम बच्चे का नाम पीयूष पुत्र रिंकू शर्मा है। वह सदर थाना क्षेत्र के मधुकरपुर का रहने वाला था। वह अपने ननिहाल नरौड़ा परिवार के साथ आया हुआ था। नरौड़ा निवासी छेदी शर्मा का मासूम पोता गुरुवार शाम पांच बजे घर से अचानक गायब हो गया था। ग्रामीणों व परिवार के लोगों ने बहुत खोजबीन किया। लेकिन पूरी रात पीयूष नहीं मिला। शुक्रवार सुबह दोबारा खोजबीन के दौरान गांव के उत्तर स्थित पोखरे में उसका शव उतराया हुआ मिला है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मासूम की पोखरे में डूबने से मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्कूल बस पलटी एक की हुई मौत घर में मचा कोहराम, बस में सवार दस बच्चे घायल, चरवाहे को बचाने में हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में थानगांव थाना इलाके में सदरपुर-थानगांव मार्ग पर शुक्रवार दोपहर दर्दनाक हादसे में राहगीर एक मासूम बच्चे की मौत हो गई वह घटना के दौरान बकरियों को चरा रहा था वहीं हादसे में बस में सवार 10 बच्चे घायल हो गए घटना उस समय हुई जब सरदार वल्लभ पटेल स्कूल गोडैचा की बस छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर हलीमनगर की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस जैसे ही रामपुर मथुरा के पास पहुंची तो चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बकरी चरा रहे झुडिया ललकपुरवा निवासी 8 साल के सरताज पुत्र जावेद की मौत हो गई हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और राहगीर मदद के लिए दौड़ पड़े करीब 10 घायल बच्चों को तत्काल बस से बाहर निकाला एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा पहुंचाया गया। सभी बच्चों का उपचार किया जा रहा है कुछ बच्चों को सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोट आई हैं घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया परिजन अस्पताल पहुंचकर बच्चों का हाल जानने में जुटे हैं पुलिस ने मृतक बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है

चरवाहे को बचाने में बस अनियंत्रित होकर पलट गई ग्रामीणों ने प्रशासन से स्कूल बसों की फिटनेस और चालकों की जांच की मांग की है घायलों में अनुप्रिया पुत्री डबलेश शुक्ला, आंशिका पुत्री मनोज कुमार, जानवी पुत्र सुनील कुमार, आयुष पुत्र बंसीधर, शुभम पुत्र रामप्रताप, क्रांति पुत्री शिवराम, सारिका पुत्र आरिफ, अभिनव पुरवाल पुत्र संजय पोरवाल, अंजनी पुत्री अशोक कुमार और अर्पिता गुप्ता पुत्री शिवम गुप्ता शामिल हैं सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी रेउसा में भर्ती कराया गया, जहां क्रांति की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्कूल के प्रधानाचार्य दिलीप सिंह अस्पताल पहुंचे और घायल बच्चों का हालचाल जाना उन्होंने परिजनों से भी मुलाकात कर हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया!!

वृक्षारोपण करो, धरती को स्वर्ग बनाओ - ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान

अलीगढ़। अखिल भारतीय करणी सेना ने वरिष्ठ करणी सैनिक एवं कार्यक्रम संयोजक ओ पी लाला के नेतृत्व में नुमाइश मैदान स्थित मुक्तिधाम पर वृक्षारोपण किया। अखिल भारतीय करणी सेना के पदाधिकारियों ने मुक्तिधाम पर 11 अशोक के पेड़ लगाकर वृक्षारोपण की शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि पेड़, पौधे प्रकृति का अद्भुत उपहार हैं जो शुद्ध हवा देने के साथ-साथ जीवन का संतुलन भी बनाए रखते हैं पेड़ धरती का श्रृंगार हैं जिससे मनुष्य को फल, फूल, छाया तथा विभिन्न प्रकार की औषधियां भी मिलती है लेकिन आज के समय में पेड़ों की बढ़ती हुई कटाई से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है प्रत्येक मनुष्य को पेड़ पौधे के महत्व को समझना चाहिए और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि अखिल भारतीय करणी सेना द्वारा प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण किया जाता है और इसी क्रम में आज मुक्तिधाम से वृक्षारोपण की शुरुआत की गई है।

नकली फोन-पे एप से ज्वैलर्स को किया पेमेंट उत्तराखंड के दो आरोपी पकड़े गए, लखीमपुर और बाराबंकी में भी वारदात

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने बड़ी सफलता प्राप्त की है थाना साइबर में पंजीकृत आईटी एक्ट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त मंजीत सिंह और प्रभजोत सिंह, दोनों निवासी शांति कालोनी रुद्रपुर, उत्तराखंड के रहने वाले हैं पुलिस का कहना है कि पीड़ित सूरज रस्तोगी ने शिकायत दी थी कि उनकी दुकान केदारनाथ ज्वैलर्स, महमूदाबाद रोड पर दो व्यक्ति आए और सोने की अंगूठी व टॉप्स देखने के बाद 85,300 रुपये का ऑनलाइन भुगतान करने का दावा किया। आरोपियों ने नकली फोन पे एप का इस्तेमाल कर भुगतान का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाया और आभूषण लेकर चले गए बाद में खाते की जांच करने पर कोई पैसा नहीं मिला पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने टेलीग्राम चैनल से नकली एप डाउनलोड किया था जो असली फोन पे जैसा दिखता था और उसी की तरह साउंड अलर्ट भी देता था शक होने पर आरोपी आईसीआईसीआई बैंक के नकली आई मोबाइल एप से 'इंस्टा बैंकिंग' का संदेश दुकानदार के मोबाइल पर भेज देते थे। आरोपी लग्जरी कार और फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम देते थे ताकि गाड़ी नंबर में सीसीटीवी में उनकी पहचान न हो सके एएसपी आलोक सिंह ने बताया कि अब तक उनकी संलिप्तता लखीमपुर खीरी और बाराबंकी में भी सामने आई है। पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है दोनों अभियुक्तों के खिलाफ विधिक कार्यवाही जारी है!!

छोटे स्कूलों को बंद करने पर शिक्षक संगठन ने की आपत्ति

● ....गांवों की शिक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा असर, सरकार से की पुनर्विचार की मांग.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहानलालगंज। लखनऊ, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश भर में कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर उन्हें एक ही परिसर में समायोजित करने की योजना पर अब विरोध शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई मोहनलालगंज ने इस फैसले को गांवों की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली पर कुठाराघात बताते हुए इसे अव्यवहारिक और शिक्षा विरोधी कदम कहा है।शिक्षक संघ की ओर से ब्लॉक अध्यक्ष अनिल शुक्ल और मंत्री प्रवीण कुमार द्वारा एक संयुक्त ज्ञापन स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सौंपा गया है, जिसमें इस योजना को तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की गई है।

ज्ञापन में कहा गया है कि शासन द्वारा 150 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों और 100 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर उन्हें पास के किसी अन्य विद्यालय में समायोजित करने का निर्णय लिया गया है। इससे न केवल सैकड़ों विद्यालयों पर ताले लगेंगे, बल्कि वर्षों से सेवा दे रहे हजारों स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति भी प्रभावित होगी।संघ ने आरोप लगाया है कि यह पूरा निर्णय केवल कागज़ों पर आधारित है, जिसमें जमीनी हकीकत की अनदेखी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई विद्यालय हैं जहाँ कम संख्या के बावजूद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है और यह विद्यालय उनके लिए पहुंच के लिहाज़ से भी बेहद उपयुक्त हैं।ज्ञापन के अनुसार, बीते 30 जून 2025 से प्रदेश के 822 विकास खंडों में इस योजना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कई स्कूलों को बंद कर वहां कार्यरत प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को अन्यत्र समायोजित किया जा रहा है। इससे न केवल शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है, बल्कि बच्चों और अभिभावकों की शिक्षा में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

शिक्षक संघ ने मोहनलालगंज लोकसभा के सांसद विधायक और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे हस्तक्षेप कर सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिए बाध्य करें। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 150 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय और 100 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद किया गया, तो गांवों की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया, तो शिक्षकों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

प्रेरणा की उड़ान- स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान में आयोजित मोटिवेशन शिविर

● सफलता अनायास नहीं मिलती, बल्कि उसे अर्जित करना पड़ता है- प्रोफेसर सुनील कुमार

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली, सीतापुर आज सिधौली कस्बे की प्रतिष्ठित संस्था स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान के प्रांगण में एक प्रेरणादायक मोटिवेशन शिविर का आयोजन किया गया, जो विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। इस अवसर पर आचार्य नरेंद्र देव टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के प्रख्यात प्रोफेसर सुनील कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को संबोधित किया। अपने प्रभावशाली वक्तव्य में प्रो. सुनील कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के सूत्रों से अवगत कराते हुए एक अत्यंत रोचक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि "जिस प्रकार आपातकालीन स्थिति में आकाश में उड़ान भर रहे किसी व्यक्ति को अपनी जान बचाने के लिए पैराशूट की आवश्यकता होती है, और वह पैराशूट धीरे-धीरे खुलते हुए सुरक्षित रूप से उसे भूमि पर उतार देता है, उसी प्रकार मनुष्य का मस्तिष्क भी एक 'पैराशूट' है, जो हर विषम परिस्थिति में सोच-विचार और विवेक के माध्यम से समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है।"

उन्होंने विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को निरंतर संघर्ष, अनुशासित दिनचर्या, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, समय प्रबंधन और मानसिक तनाव से मुक्ति पाने की रणनीतियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। साथ ही यह भी कहा कि "सफल व्यक्तियों की जीवन यात्रा से प्रेरणा लेना चाहिए और स्वयं का एक निश्चित लक्ष्य तय करके उसी दिशा में केंद्रित प्रयास करते रहना चाहिए। सफलता अनायास नहीं मिलती, बल्कि उसे अर्जित करना पड़ता है।"इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष, शिक्षाविद् आर. डी. वर्मा के कार्यों की सराहना करते हुए प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि "वर्मा जी जैसी विभूतियों के कारण ही आज समाज के पिछड़े व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन और सशक्त मंच प्राप्त हो पा रहा है।" शिविर में उपस्थित डॉ. राजवीर ने भी विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच, धैर्य और आत्म-विश्वास की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस सफल संगोष्ठी का कुशल संचालन प्रवक्ता व समाजसेवी चंद्रशेखर प्रजापति द्वारा किया गया, जिनकी प्रभावशाली वाणी और सजग संचालन शैली ने पूरे कार्यक्रम में एक विशेष ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक शिक्षाविद्, समाजसेवी, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह शिविर विद्यार्थियों के लिए न सिर्फ एक दिशा-दर्शक रहा, बल्कि उनके भीतर छिपी संभावनाओं को प्रज्वलित करने वाला एक सशक्त मंच भी सिद्ध हुआ।

ट्रक ने कार को 1 किमी तक घसीटा, लोग चिल्लाते रहे लेकिंन ट्रक ड्राइवर ने नहीं रोका ट्रक, दो कारोबारी दोस्तों की हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में भीषण सड़क हादसे में दो कारोबारियों की मौत हो गई तीन लोग घायल हैं ट्रक कार को करीब 1 किमी तक घसीटते हुए ले गया सड़क पर चल रहे दूसरे कार चालकों और राहगीरों ने ट्रक ड्राइवर को रोकने का बहुत प्रयास किया लेकिन ड्राइवर नहीं रुका जब कार का अगला हिस्सा ट्रक के पहियों में फंस गया और ट्रक जाम हो गया तब ड्राइवर ट्रक छोड़कर भागने लगा लोगों ने ड्राइवर को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। हादसा गुरुवार शाम का है इसका वीडियो आज सुबह सामने आया है घटना कोतवाली इलाके के ह्या-30 की है वीडियो में दिख रहा है कि हाईवे पर ट्रक वैगनआर कार को घसीटते हुए ले जा रहा है कार ट्रक के अगले हिस्से में फंसी है हाईवे पर चल रहे कुछ वाहन चालक ट्रक को रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन ड्राइवर ट्रक नहीं रोक रहा है लगभग एक किमी बाद का कार ट्रक के आगे के पहिए में फंस जाती है फिर ट्रक आगे नहीं बढ़ पाता है इसके बाद ड्राइवर ट्रक को छोड़कर भागने लगता है राहगीर उसे दौड़ाकर पकड़ लेते हैं। महोली कस्बे के विकास नगर निवासी अध्यापक सुनील मिश्रा अपने साथी अवस्थी टोला निवासी संजीव गुप्ता, राम अवतार सिंह, विपुल मिश्रा के साथ महोली बायपास पर जमीन देखने जा रहे थे अढ़ौरी मोड़ के पास सीतापुर से शाहजहांपुर जा रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी टक्कर के बाद कार ट्रक में फंस गई ट्रक चालक कार को घसीटते हुए एक किलोमीटर दूर बड़ागांव ओवरब्रिज तक ले गया इस दौरान ट्रक ने साइकिल सवार सरोज (42) को भी टक्कर मार दी रास्ते से गुजर रहे थार सवारों ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक नहीं रुका जब कार क्षतिग्रस्त होकर ट्रक के पहिए में फंस गई और ट्रक आगे नहीं बढ़ सका तब ड्राइवर उतर कर भागने लगा भीड़ ने ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ लिया सूचना पर पहुंची पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने कार व साइकिल सवार घायलों को महोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया यहां चिकित्सकों ने संजीव उर्फ संजय गुप्ता और राम अवतार सिंह को मृत घोषित कर दिया जबकि तीनों घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कार में सवार सभी घायल महोली कस्बे के ही निवासी थे संजय की मोबाइल की दुकान है वहीं राम अवतार सिंह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है इंस्पेक्टर दिलीप कुमार चौबे ने बताया- ट्रक जब्त कर लिया गया है। ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है इधर कस्बे के दो व्यापारियों की मौत होने और तीन के घायल होने से मातम का माहौल है!!!

शराबियों ने सामान लेन देन में की गाली गलौज तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/ रायबरेली- महराजगंज पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पिछले दिनों शराब के ठेका पर शराबियों और रेडी पर टिकिया पकौड़ी लगाने वाले के बीच सामान को लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक अन्य पक्ष द्वारा दोनों पक्षों को समझाने बुझाने पर पकोड़ा टिकिया व्यवसायी द्वारा समझने वाले व्यक्ति के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने के मामले में तीन लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई।

आपको बता दें कि, यूपी के रायबरेली में महराजगंज थाना क्षेत्र के नाथगंज मजरे हलोर गांव के रहने वाले सत्य नाम पुत्र राम अधार ने न्यायालय को बताया कि, विपक्षीगणों रामसेवक पुत्र बदल, राम भजन पुत्र रामसेवक और श्यामलाल पुत्र श्रीपाल निवासी नाथगंज मजरे हलोर द्वारा शराब के ठेके के बाहर ठेले पर टिकिया पकड़ा लगाने का काम करते हैं। घटना वाले दिन विपक्षियों पकोड़ा टिकिया व्यवसायी और शराबियों के बीच खाने पीने के समान के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच हो रहे झगड़े को उनके द्वारा दोनों पक्षों को समझाने पर उपर्युक्त विपक्षियों द्वारा उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई।

उसके विरोध करने पर विपक्षियों द्वारा एक राय होकर उसे जान से मारने की धमकी दी गई का आरोप लगाया है। न्यायालय द्वारा वादी पक्ष की दलीले सुनने उपरांत महराजगंज पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश के अनुपालन में महराजगंज पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया है। पुलिस मामले की विवेचना में जुट गई है। मामले में कोतवाल जगदीश यादव का कहना है कि, न्यायालय के आदेश के अनुपालन में तीन लोगों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। आगे की कार्यवाही करी जा रही है।

ग्राम प्रधान के घर पर दबंगों का हमला, महिलाओं से अभद्रता और परिजनों की बेरहमी से पिटाई

● .....पीड़ित प्रधान ने मोहनलालगंज थाने में दी तहरीर, सुरक्षा और न्याय की लगाई गुहार।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के कल्ली पूरब गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब मौजूदा ग्राम प्रधान रामबली के घर पर गांव के ही दबंगों ने धावा बोल दिया। घटना 15 जून की सुबह लगभग 9:30 बजे की है, जब ग्राम प्रधान रामबली पुत्र देवकृपाल अपने घर पर मौजूद थे। पीड़ित प्रधान ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया कि करीब दो दर्जन से अधिक लोग उनके घर पर लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे और पूरे परिवार पर हमला बोल दिया।तहरीर के अनुसार, आरोपितों में केसर, ध्रुवी, रामसिंघान, गुड्डीनंदू, नन्हू, रामसिंह, चंदेश्वर, विशाल, जमालू, गट्टू, शेरसिंह, रामकुमार, रामसुमेर, सुंदरलाल, टिल्लन, राहुल, महेंद्र समेत अन्य शामिल थे। इन लोगों ने घर के भीतर घुसकर गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए तोड़फोड़ मचानी शुरू कर दी।

घटना के दौरान प्रधान रामबली के बेटे टिंकू और रमाकांत को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावरों ने न केवल घर की ईंट व निर्माण सामग्री को नुकसान पहुंचाया, बल्कि महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हुए मकान पर जबरन कब्जा करने की कोशिश भी की।रामबली ने बताया कि हमला इतनी तेजी से हुआ कि पूरा परिवार जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने को मजबूर हो गया। उन्होंने कहा कि इस घटना से न केवल उन्हें शारीरिक और मानसिक पीड़ा पहुंची है, बल्कि परिवार आर्थिक रूप से भी क्षतिग्रस्त हुआ है।घटना के बाद पीड़ित ग्राम प्रधान ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर दी है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, थाना प्रभारी दिलेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय और रोष का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि पर इस प्रकार हमला हो सकता है, तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित रह सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए।

मऊ में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

चंदापुर/रायबरेली- थाना क्षेत्र के राजकीय बालिका हाई स्कूल मऊ में गुरुवार को थानाध्यक्ष प्रशांत दुबेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया गया। इस दौरान एसएसआई रवि पवार, महिला आरक्षी सीमा यादव, आरक्षी पवन कुमार आदि मौजूद रहे। आपको बता दे कि, आज गुरुवार को थाना क्षेत्र के मऊ गांव स्थित राजकीय बालिका हाई स्कूल में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत पुलिस ने छात्राओं को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कोतवाल प्रशांत द्विवेदी ने छात्राओं को आत्मरक्षा के तरीके, साइबर अपराधों से बचने के उपाय और महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने छात्रों को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बीच का अंतर भी समझाया।

कोतवाल ने छात्राओं को अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बीच का अंतर समझाया, कहा कि, छात्राएं शारीरिक शोषण को पहचान कर उसका विरोध करें, आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की मदद भी लें। उन्होंने कार्यक्रम का उद्देश्य समझते हुए कहा कि, छात्राओं को सशक्त बनाना और उन्हें सुरक्षित महसूस करना था। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को यह भी बताया कि, वह किसी भी समस्या के लिए उन पर भरोसा कर सकती हैं और अपनी बात उन तक पहुंचा सकती हैं।

कार्यक्रम में मौजूद महिला आरक्षी सीमा यादव ने महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत मौजूद छात्राओं को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया। उनके द्वारा आत्मरक्षा के तरीके बताएं गए और छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए कुछ सरल और प्रभावी तकनीकें भी सिखाई गई, ताकि वह किसी भी अप्रिय स्थिति का सामना कर सके। एसएसआई रवि पवार ने छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न और अन्य साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताएं। उन्होंने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 जैसे आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। ताकि वह जरूरत पड़ने पर तुरंत पुलिस की सहायता मांग सके।

इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा सिंह, शिक्षिका अर्चना सिंह, सत्यवती समेत छात्र-छात्राएं एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। इसके अलावा विद्यालय परिवार द्वारा 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को जागरूक भी किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को बताया कि, सभी बच्चे खुद जागरूक होकर अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। आसपास के वातावरण में पानी जमा ना होने दें, और साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाय, ताकि संचारी रोगों से बचा जा सके।

पंचायत भवन में ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन, अधिकारियों ने दिया जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

सिद्धार्थनगर। नौगढ़ विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत मधुबनी में शुक्रवार को गांव की समस्या, गांव में समाधान चौपाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। ग्राम पंचायत सचिव प्रशांत कुमार त्रिपाठी ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जानकारी के अभाव में कई पात्र लोग सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी दी गई। वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, मनरेगा, आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में भी बताया गया।ग्रामीणों को योजनाओं की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि मोबाइल या जन सेवा केंद्र के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। सचिव ने योजनाओं से जुड़ी आवश्यक शर्तें और दस्तावेजों की जानकारी दी। साथ ही आवेदन की सही प्रक्रिया भी समझाई।ग्रामीणों ने अपनी स्थानीय समस्याएं रखीं। सचिव ने संबंधित विभागों को अवगत कराकर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान रवि सिन्हा वित्तीय सलाहकार एसबीआई सिद्धार्थनगर ने चौपाल में मौजूद ग्रामीणों को बैंक से सम्बंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अमजद अली, ओम प्रकाश गुप्ता, वजीहुद्दीन, शमीम अहमद सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

कई वर्षों से बन्द पड़ी गोंडा-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन सेवा पुनः शुरू करने की मांग

कर्नलगंज, गोंडा। तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत सरयू रेलवे स्टेशन के आसपास के ग्रामवासियों ने पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ को पत्र लिखकर गोंडा-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन सेवा पुनः शुरू करने की मांग की है। पत्र में कहा गया कि मार्च 2020 में कोविड-19 के कारण यह ट्रेन सेवा बंद हो गई थी, जो पिछले पांच वर्षों से बंद है। इस ट्रेन से सरयू और आसपास के दूरदराज के गांवों के हजारों लोग लखनऊ की यात्रा करते थे। ट्रेन बंद होने से स्थानीय निवासियों को भारी असुविधा हो रही है। वैकल्पिक परिवहन साधनों पर निर्भरता बढ़ी है,जो महंगा और समय लेने वाला है। ग्रामवासियों ने बताया कि यह ट्रेन उनकी दैनिक जरूरतों, जैसे नौकरी, शिक्षा और चिकित्सा के लिए महत्वपूर्ण थी। स्थानीय लोगों ने मंडल रेल प्रबंधक से अनुरोध किया है कि इस ट्रेन सेवा को जल्द से जल्द बहाल किया जाए, ताकि उनकी यात्रा सुगम हो सके। इस मांग को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों में भी चर्चा जोरों पर है। रेलवे प्रशासन से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

महापौर विनोद अग्रवाल ने मानेसर में राष्ट्रीय सम्मेलन में रखा मथुरा का दृष्टिकोण

-देशभर के नगर निकाय प्रतिनिधियों से हुआ विचार-विमर्श, केंद्रीय मंत्रियों ने किया मार्गदर्शन

मथुरा। नगर निगम मथुरा वृंदावन के महापौर विनोद अग्रवाल ने हरियाणा के मानेसर (गुरुग्राम) में शुक्रवार को आयोजित दो दिवसीय शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की। इस सम्मेलन में देशभर से आए महापौरों, नगरपालिका अध्यक्षों और अन्य निकाय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा किया गया। मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने संबोधन में कहा शहरी विकास को 'विकसित भारत' के निर्माण की नींव बताया और स्थानीय निकायों की भूमिका को निर्णायक करार दिया।महापौर विनोद अग्रवाल ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न शहरों से आए प्रतिनिधियों के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। शहरी सुविधाओं, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और डिजिटल गवर्नेंस जैसे विषयों पर सार्थक विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि आज भारत तीव्र गति से प्रगति की ओर बढ़ रहा है और इसमें स्थानीय निकायों की भूमिका बेहद अहम है। मथुरा-वृंदावन नगर निगम भी सरकार की नीतियों के अनुरूप शहर को आधुनिक, स्वच्छ और सुविधासंपन्न बनाने की दिशा में सतत कार्य कर रहा है। महापौर के साथ नगर निगम प्रतिनिधि अंकुर अग्रवाल भी उपस्थित रहे। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के महापौरों के बीच मथुरा की सांस्कृतिक विशेषता एवं विकास कार्यों को भी सराहा गया।

आराधना मिश्रा पहुंची वृंदावन, सेवायतों से की बात

-आराधना से गोस्वामी समाज ने की न्यास और कॉरिडोर को लेकर की चर्चा

मथुरा। बांके बिहारी कॉरिडोर और न्यास के विरोध के बीच शुक्रवार को कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा वृंदावन पहुंचीं। आराधना मिश्रा ने कहा कि वह वृंदावन बिहारी जी मंदिर के मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगी क्योंकि वृंदावन मंदिर नहीं बल्कि सदियों से चली आ रही परंपरा है। जहां उनका पूर्व सीएलपी लीडर प्रदीप माथुर सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया। पश्चात वह बांके बिहारी मंदिर पहुंचीं। जहां उन्होंने भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन किए। बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचीं सीएलपी लीडर आराधना मिश्रा से गोस्वामी समाज ने कॉरिडोर और न्यास के बारे में उनसे चर्चा की। आराधना ने कहा कि आज बहुत दुख हुआ वृंदावन आकर।आज सरकार मनमानी करके बृज के स्वरूप को समाप्त करना चाहती है। उन्होंने कहा वृंदावन कोई मंदिर नहीं है। यह कृष्ण की हृदयस्थली है।

उत्तर भारत में बारिश के कहर से सब्जियों के दाम आसमान पर, रसोई का बिगड़ा बजट

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। मानसून की पहली बारिश ने गर्मी से राहत तो दी,लेकिन आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाल दिया। लगातार बारिश के कारण स्थानीय सब्जियों की पैदावार ठप हो गई या खराब हो चुकी है,जिससे मंडियों में सब्जियों के दाम बेकाबू हो गए हैं। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से सब्जियों की आपूर्ति पर निर्भरता बढ़ने से कीमतों में भारी उछाल आया है,जिसने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है टमाटर, भिंडी और करेले की कीमतों में उछाल सब्जियों में सबसे ज्यादा तेजी टमाटर के दामों में देखी गई। पिछले हफ्ते 30 रुपये प्रति किलो बिकने वाला टमाटर अब 40 रुपये प्रति किलो हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि फुटकर बाजार में इसके दाम और बढ़ सकते हैं। भिंडी जो पहले 20 रुपये प्रति किलो थी, अब 30-35 रुपये प्रति किलो बिक रही है। करेला भी 45-50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है, जो आम आदमी की थाली से दूर होता जा रहा है। लहसुन, अदरक और धनिया भी महंगे सब्जियों के साथ मसालों ने भी उपभोक्ताओं को परेशान किया। लहसुन के दाम दो दिनों में 20 रुपये बढ़कर 110 रुपये प्रति किलो हो गए। अदरक 45 रुपये प्रति किलो और धनिया की कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। थोक कारोबारियों का अनुमान है कि अगले हफ्ते तक कीमतें और बढ़ेंगी बाहरी राज्यों से आपूर्ति, परिवहन लागत का बोझ जबलपुर में टमाटर की आपूर्ति मुख्य रूप से कर्नाटक से हो रही है। थोक में 24-26 रुपये प्रति किलो के बावजूद, फुटकर बाजार में यह 35-45 रुपये तक बिक रहा है। परिवहन लागत और बिचौलियों का मुनाफा कीमतों को और बढ़ा रहा है। आलू और प्याज की कीमतों में भी 5-10 रुपये प्रति किलो की तेजी आई है। दोनों

20-25 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं, और अगले कुछ दिनों में 5 रुपये की और बढ़ोतरी संभावित है। मंडी में प्याज की 20 गाड़ियां मैहर और खंडवा से,जबकि आलू की 20-22 गाड़ियां प्रयागराज और आगरा से आ रही हैं। बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। थोक कारोबारी और विशेषज्ञ मानते हैं कि बारिश का असर कम होने तक सब्जियों के दाम स्थिर होने की उम्मीद कम है।

आम आदमी पार्टी ने परिषदीय विद्यालयों को बंद करने की निंदा की

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने उत्तर प्रदेश सरकार के 16 जून के आदेश के तहत प्रदेश में 27 हजार परिषदीय विद्यालयों को बंद करने की साजिश का घोर विरोध करते हुए आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। इस संबंध में आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश भर में अपना आंदोलन चल रही है तथा जहां-जहां स्कूल बंद हो रहे हैं वहां की जनता के साथ संवाद, संबंध स्थापित करके विरोध को तेज करने का काम कर रही है। मथुरा में 68 विद्यालयों को बंद करने का निर्देश प्रभारी बीएसए द्वारा दिया जा चुका है जो कि बेहद ही चिंतनीय है तथा शिक्षा के अधिकार के विरुद्ध है। भारत में शिक्षा का संवैधानिक अधिकार है जिसे उत्तर प्रदेश सरकार असंवैधानिक रूप से षड्यंत्र करके छीनने का काम कर रही है। जिस देश में 80 करोड लोग 5 किलो राशन पर निर्भर करते हो वहां पर शिक्षा के अधिकार को छीनने का षड्यंत्र करना भी गरीबों के प्रति घोर अन्याय है। दुर्भाग्य की बात यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार का ज्यादा जोर प्रदेश भर में पाठशाला बंद करके मधुशाला खोलने पर लगा हुआ है। उत्तर प्रदेश के अंदर आज भी अशिक्षितों की संख्या बड़े पैमाने पर है यहां सरकारी शिक्षा को बढ़ावा देकर ही निरक्षरता जैसे अंधेरे को मिटाया जा सकता है।

एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र मे इंटक यूनियन के कल्याण समिति के सदस्य रहे कामरेड सोनू पटेल ने थामा एटक का दामन

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल- बीते कल दिनांक 04.07.2025 दिन बुधवार को संयुक्त कोयला मजदूर संघ (एटक) एसईसीएल के केंद्रीय सचिव एवं कुसमुण्डा क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कामरेड बी.एल. महंत (राजवीर) के नेतृत्व में एटक क्षेत्रीय कार्यालय विकासनगर कुसमुण्डा में इंटक यूनियन के कल्याण समिति के सदस्य रहे कामरेड सोनू पटेल, क्षेत्रीय आवास आबंटन समिति के सदस्य रहे कामरेड योगेश राय सहित कामरेड रामेश्वर खंडेलवाल, कामरेड मनोज कुमार नारंगे, कामरेड देवेश गभेल, कामरेड ललित कुमार, कामरेड रमेश प्रसाद, कामरेड सोनू सिंह, कामरेड अयोध्या, कामरेड दिलीप सिंह, कामरेड उत्तम सिंह, कामरेड अमर सिंह राठौर, कामरेड कैलाश, कामरेड प्रकाश बैगा, कामरेड मनीष साहू, कामरेड रामसुजान प्रजापति, कामरेड रमेश भारती, कामरेड गुलशाद रजक, कामरेड आदित्य सिंह, कामरेड सुशील सिंह, कामरेड लवकेश सिंह, कामरेड रवि, कामरेड कन्हैया सिंह, कामरेड आदित्य पटेल, कामरेड प्रमोद पटेल, कामरेड अजय कोल, कामरेड प्रकाश कोल, कामरेड किशन, कामरेड ललमन सिंह, कामरेड विशेश्वर गिरी, कामरेड रुपेश रावत, कामरेड हरीश, कामरेड सतेंद्र, कामरेड विष्णु, कामरेड योगेंद्र सहित लगभग 40 साथियों ने एटक यूनियन में प्रवेश किया। इस अवसर पर एसकेएमएस (एटक) के केंद्रीय सचिव एवं कुसमुण्डा क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष कामरेड बी.एल. महंत (राजवीर) ने सभी साथियों को पुष्प माला एवं गमछा पहनाकर तथा सदस्यता पत्रक भरकर यूनियन में प्रवेश कराया। उक्त कार्यक्रम में एटक से कामरेड नरेश साहू, कामरेड महेंद्र पाल यादव, कामरेड मंतोष कुमार, कामरेड शैलेन्द्र सिंह, कामरेड दिल चंद, कामरेड अंकित तिवारी, कामरेड संजय कुमार गुप्ता, कामरेड पारस तिवारी, कामरेड गोबिंदा सिंह, कामरेड लवकेश एवं कामरेड रमेश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उपायुक्त खाद्य के आदेश से बहुवन मदार मांझा के उचित दर दुकान आवंटन पर लगी रोक अगले आदेश तक रासन वितरण पर लगी रोक

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। देवीपाटन मंडल की खाद्य उपायुक्त ने करनैलगंज तहसील क्षेत्र की बहुचर्चित उचित दर दुकान आवंटन प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है। न्यायालय उपायुक्त खाद्य,देवीपाटन मंडल में लंबित अपील पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया गया है,जिसमें उप जिलाधिकारी करनैलगंज द्वारा जारी दुकान आवंटन आदेश के क्रियान्वयन एवं प्रभाव को आगामी सुनवाई तक स्थगित कर दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलम बनाम सरकार आदि शीर्षक से दायर अपील में याचिकाकर्ता नीलम ने यह आरोप लगाया था कि 20 जून 2025 को साधना सिंह पत्नी चन्द्रहास सिंह, अध्यक्ष सम्मान महिला स्वयं सहायता समूह के पक्ष में जारी उचित दर दुकान की नियुक्ति आदेश नियमों के विरुद्ध है। यह अपील उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु (विक्रय एवं वितरण नियंत्रण का विनियमन) आदेश 2016 की धारा 13 (3) के अंतर्गत दाखिल की गई थी। खाद्य उपायुक्त विजयप्रभा की ओर से 30 जून को पारित आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अपील समयबद्ध है और सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली गई है। इस क्रम में उप जिलाधिकारी करनैलगंज द्वारा पारित नियुक्ति आदेश का क्रियान्वयन व प्रभाव अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई हेतु पत्रावली 7 जुलाई 2025 को पेश की जाएगी। उधर, ग्राम पंचायत बहुवन मदारमाझा में उचित दर दुकान चयन को लेकर उत्पन्न विवाद पर जिलाधिकारी नेहा शर्मा भी पहले ही रोक लगा चुकी हैं। ग्रामवासी रिंकी यादव द्वारा

जनता दर्शन में दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी व उप जिलाधिकारी करनैलगंज को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी प्रक्रिया के साथ पुनः खुली बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए थे। आरोप है कि 24 मई को प्रस्तावित बैठक को पश्चिमी क्षेत्र के स्थान पर पूर्वी छोर पर कराया गया और नोडल अधिकारी द्वारा विरोध के चलते बैठक स्थगित कर दी गई थी।

कटराबाजार, परसपुर, पंडरीकृपाल और छपिया में यूनिट प्लास्टिक मुक्त बनाने की मंजूरी

● प्लास्टिक मुक्त गोंडा की ओर एक ठोस कदम- वजीरगंज की सफलता के बाद अब चार और विकासखंडों में बनेंगी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स

स्वतंत्र प्रभात

गोण्डा। जिला प्रशासन गोंडा ने ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स (PWMU) के विस्तार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वजीरगंज में स्थापित जनपद की पहली प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के सफल संचालन के बाद अब जिले के अन्य क्षेत्रों में भी इस पहल को विस्तार दिया जा रहा है। वजीरगंज यूनिट अब पूर्णतः संचालित है,जहाँ वजीरगंज, नवाबगंज और तरबगंज विकासखण्डों से इकट्ठा किए गए प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जा रहा है। इस यूनिट के माध्यम से जहां एक ओर पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो रहा है,वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। इस सफलता को देखते हुए जिला प्रशासन ने शेष चार PWMU यूनिट्स के निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यालय को भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है। स्वच्छता समिति की हाल ही में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा विस्तार प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। उन्होंने इस दिशा में तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक चयनित विकासखण्ड समूह में निर्धारित समयसीमा के भीतर यूनिट स्थापना की प्रक्रिया पूरी की जाए। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया, "ग्राम स्तर पर प्लास्टिक कचरे का नियमित और वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण हमारी प्राथमिकता है। वजीरगंज यूनिट ने यह दिखाया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी यदि सही संसाधन और योजना के साथ कार्य किया जाए तो उल्लेखनीय परिणाम सामने आ सकते हैं। हमारा उद्देश्य है कि गोंडा जल्द ही 'प्लास्टिक मुक्त जनपद' के रूप में स्थापित हो यहां बनेंगी यूनिट्स परसपुर विकासखण्ड

को बेलसर, कर्नलगंज समूह के लिए यूनिट निर्माण हेतु चयनित किया गया है। कटरा बाजार यूनिट प्रस्ताव तैयार कर मिशन कार्यालय को भेजा जा रहा है, जो हलधरमऊ और रुपईडीह ब्लॉक को कवर करेगा। वहीं इटियाथोक, पंडरीकृपाल, झंझरी और मुजेहना समूह के लिए पंडरीकृपाल और मनकापुर, छपिया, बभनजोत समूह के लिए छपिया का चयन किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक यूनिट में प्लास्टिक कचरे की छंटाई, संकलन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण की प्रक्रिया को आधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित मानव संसाधनों की सहायता से संपन्न किया जाएगा। यह पहल न केवल स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को साकार कर रही है, बल्कि जनपद में स्थायी पर्यावरणीय विकास की ओर एक बड़ा और महत्त्वपूर्ण कदम है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में विष्णुप्रिया मणिपुरी समुदाय के हजारों लोगों की उपस्थिति में श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु की रथ यात्रा महोत्सव मनाया गया

● प्लास्टिक मुक्त गोंडा की ओर एक ठोस कदम- वजीरगंज की सफलता के बाद अब चार और विकासखंडों में बनेंगी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स

● प्रभु जगन्नाथ के समक्ष सभी की मंगलकामनाएँ- रामकृष्णनगर विधायक विजय की

राताबाड़ी पुलिस प्रशासन और सीआरपीएफ बल की सक्रिय भूमिका।

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि- हर साल की तरह इस बार भी श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा हायर सेकेंडरी रोड पर शताब्दी पुरातन सनातनी धर्मावलंबियों के श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु मंदिर में 3 जुलाई (गुरुवार) को महाप्रभु की रथयात्रा का मिलन उत्सव मनाया गया। लेकिन 2005 ई. से स्थानीय हेमचंद्र चाटार्जी की कोशिशों से रथ यात्रा का मिलोउत्सव की शुभारंभ हुआ। इसमें विभिन्न गांवों से श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु को प्रकाश सज्जा के साथ सुसज्जित करके एक ही स्थान पर मिलना दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। सुबह से ही दुल्लभछड़ा में श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु के उत्सव आनंद उत्तेजना के माध्यम से रथ यात्रा में भक्तों की भीड़। विष्णुप्रिया मणिपुरी समुदाय के सातवें दिन के इस रथयात्रा महोत्सव में दुल्लभछड़ा के पास स्थित आदर्श कृष्णनगर गांव के रामकृष्ण मंडप (भीटीआला मंडप), प्राचीन श्री श्री जगन्नाथदेव मंदिर और राधाशर्मा मंडप सहित विष्णुपुर गांव, फेटीपात गांव, हरिणटिला गांव, बास्कलटिला गांव, रुपाग्राम, पातिआला गांव, श्यामनगर गांव और जयनगर गांव के विभिन्न गांव एक साथ मिलकर रथयात्रा मिलन उत्सव में भाग लेते हैं। लेकिन पिछले साल की तुलना में इस बार रथों की संख्या कम थी, सिंगला नदी के आरसीसी पुल के खस्ता हालत के कारण। फिर भी विष्णुप्रिया मणिपुरी समुदाय के विभिन्न गांवों से महिलाएं और पुरुष नए कपड़े पहनकर डाक डोल बजाते हुए, नित्य सेवा के माध्यम से रस्सी खींचते हुए 'जयगबींद जयगबींद गोपाल गोपी हबी प्राणों के ठई गोपाल' गाना गाते हुए रथ लाते हैं। इस रथयात्रा उत्सव में रामकृष्णनगर विधायक विजय मालाकार प्रत्येक रथ के नित्य सेवा करने वालों के साथ शामिल होकर रथ की रस्सी खींचते हैं, आनंदित होकर ढाक डोल बजाते हैं और नृत्य करते हैं, श्री श्री जगन्नाथ के चरणों में प्रणाम करते हैं, फिर आयोजित पवित्र रथयात्रा में प्रभु जगन्नाथ से समस्त के लिए मंगल की कामना की। उपस्थित थे दूल्लभछड़ा सीवीपीएचएस स्कूल के प्रधान देवाशीष सिन्हा, दरगारबंद एपी के नव निर्वाचित सदस्य सुरेंद्र सिन्हा, दरगारबंद गांव पंचायत की नव निर्वाचित अध्यक्ष माला सिन्हा, वार्ड सदस्य श्याम कुमार सिन्हा, दुल्लभछड़ा मंडल भाजपा के अध्यक्ष चंदन

भर, लालछड़ा गांव पंचायत के अध्यक्ष संजय कुमार गोस्वामी, लालछड़ा ग्राम पंचायत के एपी सदस्य मतिलाल राय, वार्ड सदस्य विमल सिन्हा, एवं अन्य लोग मौजूद थे। सुबह से ही नगर क्षेत्र के व्यापारी सहित स्थानीय लोग विभिन्न प्रकार के सामान की दुकानों को सजाकर रखा जिससे पूरा क्षेत्र व्यस्त था। भारी जनसमागम के बीच महारथयात्रा उत्सव समिति द्वारा विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत किया गया। इस बीच शांति, व्यवस्था और लोगों की भारी भीड़ को संभालने के लिए राताबाड़ी पुलिस प्रशासन और सीआरपीएफ बलों की तत्परता से शांति पूर्ण तरीके से यह आयोजन संपन्न हुआ। उनके कठोर कदमों के लिए महारथयात्रा उत्सव समिति के सचिव और समाजसेवी दीपन सिन्हा, दुल्लभछड़ा जिला परिषद सदस्य तथा महारथयात्रा उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रनब मुखर्जी सहित दरगारबंद जीपी के पूर्व अध्यक्ष हेमचंद्र चाट्र्जी, मृणाल सिन्हा, मनरंजन सिन्हा (रानू) और जगदानंद सिन्हा ने प्रत्येक रथ यात्रा की समिति और प्रशासन के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दिन दुल्लभछड़ा विद्युत विभाग के कर्मियों ने रथ में बिजली के तार लगे होने पर किसी प्रकार की घटना न हो, इस पर ध्यान रखते हुए सहयोग किया।

गौशालाओं से 20 लाख रोजगारों का हुआ सृजन, केन्द्रीय रोजगार मंत्री ने की सराहना

● राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 में गौउत्पादों के 600 काउंटर लगेंगे

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली – गोबर से बनी लकड़ी का प्रयोग शमशान स्थलों पर करके 5 करोड़ पेड़ बचाए गौमाता से शापित इस देश की केन्द्र सरकार गौरक्षा को जल्द से जल्द मजबूत कानून लाये भूपू सीजेआई ने कहा था देशी गाय का गोबर कोहिनूर से भी मूल्यवान है लगभग 5 लाख गौभक्तों का राजधानी दिल्ली में होगा समागम 5 से 10 नवम्बर में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में होगी नेशनल समिट दिल्ली। 3 जुलाई। देश भर में फैली 22 हजार से ज्यादा गौशालाओं के जरिए 20 लाख से अधिक रोजगारों का सृजन हो रहा है। पंचगव्य निर्माण, औषधि निर्माण, खाद निर्माण सहित विभिन्न उत्पाद यह रोजगार प्रदान कर रहे हैं। दुग्ध उत्पादन से होने वाला रोजगार इससे अलग है। साथ ही ये गौशालाएं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। गोबर से बनी लकड़ी का उपयोग श्मशान स्थलों पर होने से करोड़ों पेड़ों को कटने से बचाने में सफलता मिल रही है। पहले साढ़े नौ लाख टन गोबर सड़कों व नालियों के लिए समस्या बनता था, आज गोबर से लकड़ी बनाकर उसका सदुपयोग किया जा रहा है।

यह जानकारी राष्ट्रीय गौधन महासंघ के मुख्य संयोजक विजय खुराना ने आज यहां पत्रकारों को दी। वह महासंघ के हौजखास स्थित कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मुगल काल में गाय नहीं कटी, 190 बरस पहले अंग्रेजी शासनकाल में यह महापाप शुरू हुआ। जब केवल 8 करोड़ गाएं बचीं, तब राष्ट्रीय गौधन महासंघ का जन्म 7 नम्बर 2005 को हुआ। आज गौमाताओं की संख्या 20 करोड़ है। उन्होंने बताया कि महासंघ के प्रयासों से भारत में गौशालाओं की संख्या 9 हजार से

बढ़कर 22 हजार हो गई है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त की कि अभी केन्द्र सरकार के पास गौरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है। राज्यों ने अपने हिसाब से कानून बनाए हैं। कहा कि गौशाला प्रबंधकों तथा गौपालकों का अब तक का यह सबसे बड़ा समागम होगा। समिट में भारत के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 5 लाख लोग भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 में अनेक गणमान्य व्यक्तियों के भाग लेने की संभावना है, जिसकी स्वीकृतियां आना शुरू हो गई हैं। उनमें भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख लाल मांडविया तथा वरिष्ठ सांसद एवं पूर्व पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम खोडाभाई रूपाला शामिल हैं।समिट में विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक देवी चन्द्र चोपड़ा सहित अनेक राष्ट्रवादी पुरुषों की भी भागीदारी होगी। राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 की संयोजक पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर 5 नवम्बर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया है। कहा कि 10 नवंबर को आहूत समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पधारने का आग्रह किया गया है। श्रीमती दुग्गल ने कहा कि कृष्ण की गाय और शिव के नन्दी को बचाए बिना इस देश का कल्याण सम्भव नहीं है। यह बात सरकार और समाज सभी को बिना देर किए समझनी और समझानी होगी। उन्होंने इस नेशनल समिट के प्रेरणाकार प्रख्यात संत श्रीश्री रविशंकर को साधुवाद कहा।

राष्ट्रीय गौधन समिट 2025 के मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी राम महेश मिश्र के अनुसार देश भर में फैली गौशालाओं के द्वारा अपने-अपने काउंटर भी स्टेडियम में नियत स्थान पर लगाए जाएंगे, जिन पर गौशालाओं के द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि हमारी गौशालाएं देश की अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। 20 लाख से ज्यादा रोजगारों का सृजन इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है। उन्होंने बताया कि आज संपन्न संगोष्ठी में श्री खुराना द्वारा भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की उस टिप्पणी की सराहना की जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुस्तान की देशी गाय का गोबर कोहिनूर हीरे से भी ज्यादा मूल्यवान है।जीवन के 100वें बसन्त की ओर बढ़ रहे बुजुर्ग देवी चन्द्र चोपड़ा ने भारत की सम्पदा और संपन्नता की माप एवं पहचान गायों की संख्या से होने की ओर देश का ध्यान खींचा और चिन्ता व्यक्त की कि उस मेरे देश में गायों की संख्या तेजी से कम हो रही है। भारत के भविष्य के लिए उन्होंने इस स्थिति में जल्द से जल्द सुधार लाने का आह्वान समाज व सरकार दोनों से किया। प्रेस वार्ता में दिल्ली विधानसभा के पूर्व विधायक मदन लाल, श्री सनातन धर्म महासभा के प्रमुख प्रतिनिधि एवं सनातन धर्म मंदिर जनकपुरी के चेयरमैन भूषण लाल पाराशर, भारत विकास परिषद के महेश शर्मा, वैद्य ज्ञानेन्द्र प्रकाश, समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

कॉरिडोर पर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा ने किया सांकेतिक विरोध

●-प्रशासन की ओर से नहीं मिली थी महासभा को विरोध प्रदर्शन की अनुमति

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। वृंदावन में प्रस्तावित कॉरिडोर के विरोध में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा ने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन की ओर से महासभा के विरोध प्रदर्शन को अनुमति नहीं मिली थी। इसके बाद महासभा की ओर से सांकेतिक विरोध करने का फैसला किया गया और मुख्य कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के नेतृत्व में शुक्रवार को एक बार फिर महेश पाठक की अगुवाई में बांके बिहारी मंदिर के गेट संख्या एक पर सांकेतिक धरना दिया गया। जिस धरने में अन्य राज्य से भी पुरोहित महासभा के अधिकारी मौजूद थे। महेश पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूर्व में दिए गए बयान में कहा गया था कि पूजा पाठ, मंदिर मठ का अधिकार सभी को प्राप्त है और इनका अधिग्रहण नहीं होना चाहिए तो अब

मुख्यमंत्री स्वयं बांके बिहारी मंदिर का अधिग्रहण करवाना चाहते हैं। अगर कॉरिडोर बनवाना ही चाहते हैं तो मंदिर का अधिग्रहण आखिर क्यों किया जा रहा है। वही विकल्प के तौर पर गोस्वामियों को 25 एकड़ की भूमि इस क्षेत्र में दी जाए।

जहां बांके बिहारी मंदिर का निर्माण किया जा सके, साथ ही पार्किंग की सुविधा भी मिल सके। इस विकल्प को अपनाने के बाद वृंदावन की कुंज गली और स्थानीय लोगों की भवन की स्थिति जस की तरह रहेगी। अधिग्रहण के संदर्भ में भारतवर्ष के तीर्थ पुरोहितों ने निर्णय लिया है कि अगर ऐसी कोई विकल्प सरकार तलाशे जिससे सभी के हित में कार्य हो। महेश पाठक ने यह भी कहा कि आज प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों के पुरोहित शामिल होने वाले थे लेकिन प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। पुरोहित समाज यह ऐलान करती है कि अगर सरकार अपना निर्णय नहीं बदलता है तो आंदोलन तेज होगा और उसकी जवाब दे ही सरकार की होगी। दूसरी तरफ गोस्वामी समाज की महिलाओं का भी धरना प्रदर्शन जारी रहा उन्होंने हस्ताक्षर अभियान चलाकर इस मुहिम को रंग देने का प्रयास किया है। धरने में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष भगवान सिंह वर्मा, रामकृष्ण तिवारी, सुधीर उपाध्याय अमर, श्रीकांत वशिष्ठ, आर गवाड़े, आशुतोष द्विवेदी, देव गोस्वामी, दीपक पाराशर, भगवान सिंह आदि मौजूद थे।